

# अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.



परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2025

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 16/11/2025

समय : दोहपर 2 से 5

कुल अंक : 100

- सूचनाएँ : (1) कोई पाँच प्रश्न हल करे ।  
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

- प्र. क्र.1 घराना संकल्पना क्या है? किसी दो (5 +10+5=20)  
घरानोंके बारेमे जानकारी देकर वर्तमानमें घरानोंकी आवश्यकता  
इस विषय पर आपका मत लिखो ।
- प्र. क्र.2 मंच प्रदर्शन की आवश्यकता क्या है? मंचप्रदर्शन के (20)  
संबंधमें आंतरिक परिस्थिती के बारे मे जानकारी दे ।
- प्र. क्र.3 आदर्श श्रवण इस कसौटी पर क्या होती है? यह बताकर (20)  
आदर्श सभागृहके शास्त्रीय वैशिष्ट्योंपर प्रकाश डाले ।
- प्र. क्र.4 भरत, मतंग एवम् शारंगदेव कालीन संगीत के बारेमे (20)  
विस्तृत विवेचन करे ।
- प्र. क्र.5 एक महफिल के आयोजन के लिए किनकिन बातोंका (20)  
खयाल रहना चाहिये? विस्तृत जानकारी दे ।
- प्र. क्र.6 टिप्पणीयाँ लिखे । (20)
- 1) लय-रस

- 2) ध्वनीशास्त्र
- 3) कला एवम् सौंदर्य- भारतीय मत
- 4) संगीत सभाके स्वरूपमें परिवर्तन

प्र. क्र.7 अ) सही पर्याय चुने । (10)

- 1) दिलरुबा ----- प्रकार का वाद्य है ।  
अ) तत ब) अवनध्द क) घन ड) सुषिर
- 2) तार षडज की आंदोलन संख्या ----- होती है ।  
अ) 240 ब) 360 क) 405 ड) 480
- 3) बेगम परवीन सुलताना ----- घराने की गायिका है ।  
अ) ग्वाल्हेर ब) जयपूर क) आग्रा ड) पतियाला
- 4) ----- ने गांधर्व महाविद्यालय की स्थापना की ।  
अ) पं. भातखंडे ब) पं. पलुस्कर  
क) पं. इचलकरंजीकर ड) पं. वझेबुवा
- 5) कोई भी संधी प्रकाश राग प्रातःकालीन या सायंकालीन वर्गमें होने के लिए ----- स्वर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।  
अ) रे ब) ध्रु क) प ड) म
- 6) उ.अली अकबर खाँ प्रसिध्द ----- वादक थे ।  
अ) सितार ब) सरोद क) व्हायोलिन ड) बासरी
- 7) 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता ----- थे ।  
अ) भरत ब) शारंगदेव क) जयदेव ड) भातखंडे
- 8) ----- ने 'सबरंग' नामसे अनेक बंदिशोंकी रचना की ।  
अ) गुलाम मुस्तफा खाँ ब) अब्दुल करीमखाँ  
क) बडे गुलाम अलीखाँ ड) अमीर खाँ
- 9) शारंगदेव ने ----- ग्रंथकी निर्मिती की ।  
अ) नाट्यशास्त्र ब) बृहद्देशी क) सं.रत्नाकर ड) गीतगोविंद

- 10) टप्पा गीतप्रकार कुशलतासे गानेवाली गायिका ----- थी ।  
अ) डॉ.प्रभा अत्रे ब) वि.किशोरी आमोणकर  
क) वि.पद्मा तळवलकर ड) वि.मालिनी राजूरकर

**ब) सही/गलत बताइए । (10)**

- 1) उ.रशिद खान जयपूर घराने के गायक थे ।
- 2) भरत के नाट्यशास्त्र के अनुसार, साहित्य में कुल आठ रस हैं ।
- 3) पं.भातखंडे जी के मतानुसार रे, ध्रु कोमल वाले संधीप्रकाश राग शांत - करुण रसका अविष्कार करते हैं ।
- 4) तानसेन की धृपदबानी को नौहारबानी कहते हैं ।
- 5) स्व.नथन पीरबक्ष ग्वालियर घराने के प्रवर्तक माने जाते हैं ।
- 6) आलापप्रधान गायकी किराना घरानेकी विशेषता है ।
- 7) पाश्चात्य स्वरलेखन में 'b' यह चिन्ह १ मात्रा के लिए उपयोग किया जाता है ।
- 8) पं. ना. मो. खरे द्वारा निर्मित रागवर्गीकरण पध्दती राग- रागिणी पध्दती है ।
- 9) 'स्फुरित' यह गमक का एक प्रकार है ।
- 10) दो स्वरोंमें इष्ट संवाद तभी होता है जब वे दोनो एकदूसरे के 2:1 प्रमाण मे रहते हैं ।





**B) State True/ False**

**(10)**

- 1) U.Rashid Khan was a Jaipur Gharana singer
- 2) There are total 8 Rasas in literature according to Bharat's Natyashastra.
- 3) According to Pt.Bhatkhande Sandhiprakash Ragas with Re Dha (both komal) create a peaceful and compassionate Rasa (Shant- Karun Rasa)
- 4) Dhrupad bani of Tansen is called Nauharbani.
- 5) Late Natthan Peerbaksh was founder of Gwalior gharana.
- 6) Kirana gharana is identified with alap pradhan gayaki.
- 7) Symbol 'b' denotes 1 matra in western notation.
- 8) Raga classification system delivered by Pt. N. M. Khare is called as Rag-Raginee System.
- 9) 'Sphurit' is type of Gamak.
- 10) When two notes are in proportion of 2:1, they are said to be in consonance.